मासिक ई-समाचार पत्रिका

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय

पूसा, समस्तीपुर, बिहार-848125

कुलपति महोदय का संदेश

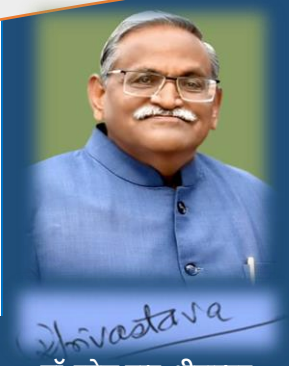

डॉ. रमेश चन्द्र श्रीवास्तव
(कुलपति)

नवंबर माह विश्वविद्यालय के लिए गौरवशाली महीना रहा जिसमे विश्वविद्यालय द्वारा मुख्य परिसर के बाहर दो बहुत ही महत्वपूर्ण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए गये। पंडित दीनदयाल उपाध्याय उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, पिपराकोठी परिसर में विश्वविद्यालय का द्वितीय दीक्षांत समारोह का आयोजन तथा आई.एस.ए.ई. के 55वें वार्षिक सम्मेलन और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, ज्ञान भवन, पटना में आयोजित किये गए। भारत के माननीय उप-राष्ट्रपति श्री एम वेंकैया नायडू जी की 7 नवंबर 2021 को आयोजित द्वितीय दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में स्वागत करना हमारे लिए गर्व की बात है, जिस में बिहार राज्य के अन्य गणमान्य अतिथिगण यथा श्री फागू चौहान, माननीय राज्यपाल, बिहार, श्री नीतीश कुमार,माननीय मुख्यमंत्री, बिहार सरकार, श्रीमती रेणु देवी, माननीय उपमुख्यमंत्री, बिहार सरकार, माननीय राज्य कृषि मंत्री श्री अमरेंद्र प्रताप सिंह जी, माननीय राज्य गन्ना विकास मंत्री श्री प्रमोद कुमार जी, स्थानीय विधायकगण और श्री राधा मोहन सिंह, माननीय सांसद, पूर्वी चंपारण उपस्थित रहे।

हमारे लिए एक और गर्व का क्षण तब रहा जब हमने 23-25 नवंबर, 2021 को श्री तारकिशोर प्रसाद, माननीय उपमुख्यमंत्री, बिहार सरकार और श्री अमरेंद्र प्रताप सिंह, माननीय कृषि मंत्री, बिहार सरकार को इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चरल इंजीनियर्स के 55 वें वार्षिक सम्मेलन और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह में आमंत्रित किया। मैं कुलसचिव और विभिन्न समितियों के अध्यक्षों, समिति सदस्यों और अधिष्ठाता, कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय और उनकी टीम तथा विश्वविद्यालय के समस्त कर्मचारियों, अधिकारीयों को दोनों कार्यक्रमों के सफलतापूर्वक आयोजन हेतु बधाई देता हूं।

मैं, द्वितीय दीक्षांत समारोह के स्वर्ण पदक विजेताओं और डिग्री धारकों को भी बधाई और भविष्य की शुभकामनाएं देता हूं।

द्वितीय दीक्षांत समारोह का आयोजन

डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय का द्वितीय दीक्षांत समारोह 7 नवंबर 2021 को पंडित दीनदयाल उपाध्याय उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय परिसर, पिपराकोठी में आयोजित किया गया। दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि भारत के माननीय उप-राष्ट्रपति श्री एम वेंकैया नायडू जी थे। इस अवसर पर श्री फागू चौहान, माननीय राज्यपाल, बिहार, श्री नीतीश कुमार, माननीय मुख्यमंत्री, बिहार सरकार, श्रीमती. रेणु देवी, माननीय उपमुख्यमंत्री, बिहार सरकार, श्री राधा मोहन सिंह, माननीय सांसद, पूर्वी चंपारण, डॉ. त्रिलोचन महापात्रा, सचिव, डेयर और महानिदेशक, भा.कृ.अनु.प. सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

खंड -2, अंक -12
***दिसंबर*, 2021**

संरक्षक :

डॉ. रमेश चन्द्र श्रीवास्तव
(कुलपति)

संकलन एवं संपादन :

डॉ.
(राकेश मणि शर्मा,
पी. कु. प्रणव,
एम.एल. मीणा
कुमारी सपना
आशीष कु.पंडा
सुधा नंदनी
गुप्तनाथ त्रिवेदी)

तकनीकी सहयोग:
मनीष कुमार

मुद्रण:

प्रकाशन प्रभाग,
डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय
कृषि विश्वविद्यालय, पूसा

संपर्क:

www.rpcau.ac.in

publicationdivision@rpcau.ac.in

- दीक्षांत समारोह का आरम्भ शैक्षणिक रैली के साथ हुई, जिसका नेतृत्व विश्वविद्यालय के कुलसचिव, डॉ. पी.पी. श्रीवास्तव, आमंत्रित गणमान्य व्यक्ति, शैक्षणिक परिषद के सदस्य, प्रबंधन बोर्ड के सदस्य, विभिन्न महाविद्यालय के अधिष्ठाता और विभिन्न विभागों के प्रमुखों ने किया।

- प्रो. पी.के.मिश्रा, माननीय कुलाधिपति, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा , के द्वारा दीक्षांत समारोह के उद्घाटन की घोषणा के उपरांत माननीय कुलपति डॉ. आर.सी. श्रीवास्तव ने विगत दो वर्षों की विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। अपने संबोधन में उन्होंने नई शिक्षा नीति के अनुरूप विश्वविद्यालय में शुरू किए गए विभिन्न नए शैक्षणिक कार्यक्रमों सहित अनुसंधान गतिविधियों और ढांचागत विकास को पूरा करने के लिए कोविड महामारी के दौरान उठाए गए कदमों का उल्लेख किया।
- कुल 291 स्नातक, 412 परास्नातक, और 35 पी.एच.डी. के छात्र-छात्राओं को विश्वविद्यालय के इस दीक्षांत समारोह में डिग्रीयां प्रदान की गई। विश्वविद्यालय द्वारा महाविद्यालय और विश्वविद्यालय स्तरों पर संबंधित विभागों के स्नातकोत्तर और स्नातक छात्रों के टॉपर्स को 40 स्वर्ण पदक भी प्रदान किए गये।

- दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि, माननीय उप-राष्ट्रपति श्री वेंकैया नायडू जी ने अपने संबोधन में कहा कि, कृषि भारत की मूल संस्कृति और भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। उन्होंने कृषि और संबद्ध विषयों के क्षेत्र में हुई वैज्ञानिक और तकनीकी प्रगति की सराहना की। उन्होंने समाज के कल्याण के लिए विश्वविद्यालय के योगदान की सराहना की और कृषि शिक्षा, अनुसंधान और उद्यमिता में उत्कृष्टता हासिल करने पर बल दिया। उन्होंने बढ़ती जनसंख्या वृद्धि, उसकी पोषण सुरक्षा और खाद्य गुणवत्ता की लगातार बढ़ती समस्याओं और चुनौतियों के समाधान की दिशा में कार्य करने की अपील की। माननीय उप-राष्ट्रपति जी ने केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं पर भी प्रकाश डाला, जो निरंतर कृषि और कृषक समुदायों की आय और आजीविका को बढ़ाने के उद्देश्य से चलाये जा रहे हैं ।

- इस अवसर पर पांच नवनिर्मित/स्थापित सुविधाएं **देशी गौवंश संरक्षण एवं संवर्धन केंद्र, माधोपुर, स्वदेशी गौ नस्ल का क्षेत्रीय उत्कृष्टता केंद्र, पिपराकोठी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय एवं गंडकी महिला छात्रावास तथा पंडित राजकुमार शुक्ल छात्रावास, पीपराकोठी** का अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में माननीय उपराष्ट्रपति द्वारा उद्घाटन किया गया।
- सभा को संबोधित करते हुए माननीय मुख्यमंत्री, बिहार सरकार, श्री नीतीश कुमार ने डिग्री प्राप्त करने छात्रों वाले को बधाई दी और विश्वविद्यालय की उपलब्धियों की प्रशंसा की। उन्होंने विश्वविद्यालय को शैक्षणिक और अनुसंधान उत्कृष्टता प्राप्त करने और राज्य के किसानों की आय बढ़ाने के प्रयासों में हर मोड़ पर समर्थन देने का आश्वासन भी दिया।
- दीक्षांत समारोह का समापन डॉ. पी.पी. श्रीवास्तव, कुलसचिव, रा.प्र.के.कृ.वि.,पूसा ने किया।
- **पदक विजेताओं की सूची:**

मत्स्यकी महाविद्यालय के अभिनव प्रकाश, राजेश कुमार और चांदनी कुमारी ने सभी महाविद्यालयों के मध्य स्नातक टॉपर के लिए विजिटर्स गोल्ड मेडल पुरस्कार प्राप्त किया, जबकि परास्नातक टॉपर के लिए कुलाधिपति स्वर्ण पदक सस्य विज्ञान विभाग, कृषि स्नातकोत्तर महाविद्यालय से स्मिता शर्मा को प्रदान किया गया। वर्ष 2017-18 और वर्ष 2018-19 के लिए सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय (गृह विज्ञान प्रसार और संचार प्रबंधन) से कोमल कृति को प्रदान किया गया। पौधा प्रजनन एवं आनुवंशिकी विभाग के आशुतोष कुमार और बंशीधर को क्रमशः वर्ष 2017-18 और 2018-19 के पी.एच.डी टॉपर हेतु कुलपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। । संबंधित महाविद्यालयों एवं विभागों के स्नातक टॉपर और परास्नातक टॉपर छात्रों ने भी स्वर्ण पदक प्राप्त किए।

कुलपति महोदय की संलग्नता

- दिनांक 01.11.2021 को नई दिल्ली में "रोजगार में ओ.बी.सी के सुरक्षित प्रतिनिधित्व और सार्वजनिक उपक्रमों और अन्य संगठनों में उनके कल्याण के लिए किए गए उपाय" विषय पर कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के प्रतिनिधियों की बैठक में भाग लिया।
- दिनांक 02.11.2021 को हेफ़र इंटरनेशनल, नोएडा (यूपी) द्वारा आयोजित बिहार सतत आजीविका विकास परियोजना के शुभारंभ समारोह में भाग लिया।
- दिनांक 03.11.2021 को वर्चुअल मोड में राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना (एन.ए.एच.ई.पी.) की 7वीं परियोजना प्रबंधन समिति (पी.एम.सी.) में भाग लिया।
- दिनांक 11.11.2021 को वर्चुअल मोड में "खाद्य उत्पादन और सुरक्षा में अगली पीढ़ी की हरित क्रांति का समर्थन करने के लिए सतत रणनीतियों" पर चर्चा करने के लिए भारत के कुलपतियों और भा.कृ.अनु.प. प्रशासकों के शिखर सम्मेलन में भाग लिया।
- दिनांक 18.11.2021 को बीज उत्पादन और विपणन हेतु शक्तिमान 5 हाइब्रिड मक्का किस्म के लिए रा.प्र.के.कृ.वि.,पूसा और बालाजी सीड्स, हैदराबाद के बीच समझौता ज्ञापन समारोह में भाग लिया।
- दिनांक 25.11.2021 को पटना में रा.प्र.के.कृ.वि.,पूसा में ओ.बी.सी को प्रदान किए गए आरक्षण की स्थिति/कार्यान्वयन की समीक्षा बैठक में भाग लिया।

माननीय सचिव डेयर एवं महानिदेशक भा.कृ.अनु.प के भ्रमण की कुछ झलकियाँ

माननीय सचिव डेयर एवं भा.कृ.अनु.प के महानिदेशक, डॉ टी. महापात्र ने विश्वविद्यालय परिसर का दौरा किया। उन्होंने ढोली में बालिका छात्रावास का उद्घाटन किया, दो लड़कों के छात्रावास और एक व्याख्यान थिएटर परिसर के साथ-साथ समर्पित विश्वविद्यालय अस्पताल की आधारशिला रखी। इसके अलावा उन्होंने मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली , कृषि व्यवसाय एवं ग्रामीण प्रबंधन संस्थान और विरासत संग्रहालय (हेरिटेज म्यूजियम) का भी दौरा किया। बाद में उन्होंने रा.प्र.के.कृ.वि. के संकाय सदस्यों को संबोधित किया।

बी.एच.यू में 15वां कृषि विज्ञान कांग्रेस

Inaugural Address by Chief Guest Shri Narendra Singh Tomar, Hon'ble Minister of Agriculture at XV ASC

➢ **15वां कृषि विज्ञान कांग्रेस का आयोजन राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी (NAAS) और कृषि विज्ञान संस्थान, काशी हिंदू विश्वविद्यालय (BHU), वाराणसी द्वारा 13-16 नवंबर, 2021 के दौरान किया गया ।** कांग्रेस का विषय "ऊर्जा और कृषि: 21 वीं सदी में चुनौतियाँ " था। कांग्रेस का उद्घाटन सचिव, डेयर और महानिदेशक, भ.कृ.अनु.प., नई दिल्ली ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया और उद्घाटन भाषण माननीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री, भारत सरकार, श्री नरेंद्र सिंह तोमर जी द्वारा दिया गया । विभिन्न विषयों से रा.प्र.के.कृ.वि. के कई शिक्षकों और वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित किया गया और उन्हें ऊर्जा और कृषि के सभी पहलुओं पर अपने अनुभवों और शोध परिणामों का आदान-प्रदान करने और प्रमुख वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और शोध विद्वानों के साथ साझा करने के लिए उक्त कांग्रेस में भाग लेने की अनुमति दी गई जो इस कांग्रेस का मुख्य उद्देश्य भी था।

डॉ. आर.सी. श्रीवास्तव, माननीय कुलपति, रा.प्र.के.कृ.वि.,पूसा, ने उप सत्र 1 की सह-अध्यक्षता की जिसका विषय: फसल उत्पादन प्रणाली और तकनीकी से संबंधित उद्योग था । महत्वपूर्ण खाद्य और पशु उत्पादन प्रणालियों में ऊर्जा लेखा परीक्षा और नवाचार जिसमें "जैव-ऊर्जा, संरक्षित खेती, कुशल ऊर्जा और जल उपयोग, तथा उर्ध्वाधर एवं जल जनित खेती की ऊर्जा आवश्यकता, चावल आधारित फसल चक्र इत्यादि पर आधारित फसल प्रणालियों की स्थिरता के लिए कुशल ऊर्जा प्रबंधन विषय पर प्रमुख शोध पत्र उक्त क्षेत्रों में राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुत किये ।

➢ डॉ अंबरीश कुमार, अधिष्ठाता, कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय,रा.प्र.के.कृ.वि.,पूसा ने "पानी की मांग और ऊर्जा पदचिह्न को कम करने के लिए कुशल सिंचाई प्रबंधन" विषय पर एक तकनीकी सत्र का समन्वय किया, इसके अलावा, प्रसार शिक्षा निदेशालय, रा.प्र.के.कृ.वि.,पूसा ने "अपशिष्ट से धनोपार्जन: सुखेत मॉडल" विषय पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया और विश्वविद्यालय द्वारा विकसित नवीन तकनीकों एवं हस्तनिर्मित उत्पादों का प्रदर्शन किया। । डॉ. त्रिलोचन महापात्र, सचिव, डेयर एवं महानिदेशक, भा.कृ.अनु.प., डॉ. पंजाब सिंह, पूर्व महानिदेशक, भा.कृ.अनु.प, के साथ अन्य गणमान्य व्यक्तियों और किसानों ने स्टाल का भ्रमण किया और विश्वविद्यालय के काम की सराहना की। मन की बात के अपने 80वें संस्करण में भारत के माननीय प्रधान मंत्री द्वारा सुखेत मॉडल की प्रशंसा करने के बाद, सुखेत मॉडल पर प्रदर्शित प्रदर्शनी ने कांग्रेस प्रतिनिधियों और प्रगतिशील किसानों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया।

इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चरल इंजीनियर्स का 55वां वार्षिक सम्मेलन और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

➢ इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चरल इंजीनियर्स का 55वां वार्षिक सम्मेलन और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का सफलतापूर्वक आयोजन पटना (बिहार) में 23-25 नवंबर 2021 के दौरान कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय, रा.प्र.के.कृ.वि.,पूसा, इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चरल इंजीनियर्स और BAMETI (बामेती) द्वारा संयुक्त रूप से किया गया ।

➢ उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि श्री तारकिशोर प्रसाद, माननीय उप-मुख्यमंत्री, बिहार सरकार, थे। अपने उद्घाटन भाषण में, उन्होंने कृषि क्षेत्र में अधिक रोजगार पैदा करने और कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए राज्य में कृषि यांत्रिकी और कृषि मशीनीकरण के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रमों को तैयार करने पर जोर दिया। श्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह, माननीय कृषि मंत्री, बिहार सरकार, ने विशिष्ट अतिथि के रूप में उन्होंने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि, राज्य सरकार बिहार में ऐसे और महाविद्यालय और इंजीनियरिंग लैब/वर्कशॉप स्थापित करके कृषि अभियांत्रिकी शिक्षा में सुधार के लिए गंभीर है।

➢ डॉ. आर. सी. श्रीवास्तव, माननीय कुलपति, रा. प्र. के. कृ. वि.,पूसा ने कृषि क्षेत्र के आधुनिकीकरण में कृषि अभियंताओं की भूमिकाओं और कार्यों की व्याख्या की और - 'कुशल खेती के लिए कृषि अभियंताओं की उपयोगिता विषय पर अपना विचार व्यक्त किया।

➢ सम्मेलन में विभिन्न राज्यों और विदेशों के 350 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया, और लगभग 300 शिक्षाविद/वैज्ञानिक/छात्र/अभियंता वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम में जुड़े हुए थे। पहले दिन उद्घाटन समारोह के बाद तकनीकी सत्र एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया । पहले दिन का समापन दूरदर्शन, पटना द्वारा भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुआ।

➢ दूसरे और तीसरे दिन के कार्यक्रम बामेती, पटना में आयोजित किए गए। चार सत्रों में विभिन्न विषयों पर कुल 19 तकनीकी सत्र एवं कुल मिलाकर 286 शोध पत्र ऑफलाइन और ऑनलाइन मोड में प्रस्तुत किए गए। अधिष्ठाता समिति की बैठक की अध्यक्षता कृषि विश्वविद्यालय, कोटा के डॉ. डी.सी. जोशी ने की और भारत सरकार की नई शिक्षा नीति की पृष्ठभूमि में कृषि अभियांत्रिकी शिक्षा की चुनौतियों और अवसरों पर चर्चा की। आई.एस.ए.ई. के अधिकारियों और राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ अपने विचार साझा करने के लिए स्थानीय निर्माताओं की बैठक को साइड बिजनेस के रूप में भी आयोजित किया गया।

➢ समापन सत्र में डॉ. आर.सी. श्रीवास्तव, माननीय कुलपति, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा, डॉ. वी.के. तिवारी, निदेशक आई.आई.टी., खड़गपुर और डॉ. एस.एन. झा, सहायक महानिदेशक (भा.कृ.अनु.प.) ने सभा को संबोधित किया और बिहार में पहली बार आई.एस.ए.ई. सम्मेलन के सफलतापूर्वक आयोजन के प्रयासों की सराहना की। डॉ. अंबरीश कुमार को 'आई.एस.ए.ई. फेलो' से सम्मानित किया गया, और डॉ. पी.डी. शर्मा को 55वें आई.एस.ए.ई. वार्षिक सम्मेलन के दौरान 'आई.एस.ए.ई. जे.ए.ई. सर्वश्रेष्ठ समीक्षक पुरस्कार 2020' से भी सम्मानित किया गया।